Distance education can improve enrolment ratio, says governor

Anish
htpatna@hindustantimes.com

PATNA: Governor Ram Nath Kovind at the 10th convocation of Nalanda Open University (NOU) on Saturday said universities should "get inspired" from NOU's move of awarding medals of real gold to best performers in various courses.

"A gold medal signifies that the student worked hard. Medals made of real gold signify that the institution is proud of them. What NOU did is commendable. I hope vice-chancellors of various universities in attendance get inspired from this," said Kovind.

Twenty-seven students received gold medals for topping in exams. Sumbul Parween, received two medals, for topping in MCA and for being best performer in PG courses.

Saying that distance education could play an important role in improving gross enrolment ratio (GER) in higher education of Bihar, Kovind said, "Higher education in India has swiftly expanded in past years. In this expansion, non-traditional methods of education, like distance education, have also gained much importance. He advised students to keep their goals high.

Director of National Institute of Technical Teachers Training and Research, Chandigarh, MP Poonia advised students to never let go of an opportunity to move forward and covert their weaknesses to their strengths.

He said unless teachers understood their responsibilities and delivered on them the nation could not progress. He also asked parents to help their wards be confident in what they do, think and feel.

Presenting the annual report, NOU VC Rash Bihari Prasad Singh said the university had accepted the government's efforts to improve GER from current 13% as a challenge and would strive to achieve it. He also announced that NOU would hold an international seminar on 'Changing nature of water resource: A challenge before mankind' soon, in which delegates from Japan, South Africa, USA, Bangladesh and Nepal are expected to attend.

Vice-chancellors and officials of various universities, besides NOU pro-VC RP Upadhyay, registrar SP Sinha, joint registrar AN Pandey and others were also present.

Governor Ram Nath Kovind giving away citations and certificates at the NOU convocation function, in Patna on Saturday. AP DUBE/HT PHOTO

GOLD MEDALISTS

Sumbul Parween - MCA, best PG performer
Shweta Shrivastava - best UG performer
Lucy Kumari - MA Hindi
Anju Singh - MA Magahi
Dilesh Kumar - MA Bhojpuri
Mohammad Shahzad - MA Urdu
Anuradha Kumari - MA Sanskrit
Tapan Kumar - MA Maithili
Rajesh Kumar - MA/MSc geography
Shanti Kishori Singh - MA sociology
Nidhi Nupur - MA public administration
Huma Rohatgi - MA education
Ravi Shankar - MA/M Sc environment science
Kotaiba - M Sc zoology
Neha Bharti - MSc botany
Pragya Upadhyay - M Sc physics
Faheem Ahmad - M Sc mathematics
Tanvi Sinha - MA communication and journalism
Rashmi Rati - M Com
Prabha Kumari - MA history
Swabhuti - MA economics
Nusrat Yasmin - MA political science
Aradhna Kumari - library and information science
Priyanka Kumari - MA psychology
Raj Kishore Yadav - M Sc chemistry
Soni Kumari, Babli Kumari - MA rural development

टैलेंट को सलाम. नालंदा खुला विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

लक्ष्य तय कीजिए, आगे बढ़िए

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

लोगों का मानना है कि प्रतिभा परिवार से मिलती है, लेकिन इस आयोजन में कुछ ऐसे भी छात्र हैं, जिन्होंने इस मिथक को तोड़ा है और अपनी मेहनत के दम पर अलग स्थान हासिल किया है. यह बातें राज्यपाल सह कुलाधिपति रामनाथ कोविंद ने नालंदा खुला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कहीं. शनिवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में विवि के वीसी प्रोफेसर रासबिहारी प्रसाद सिंह, गेस्ट राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रोफेसर डॉ. एमपी पूनिया, प्रति कुलपति प्रो. आरपी उपाध्याय के साथ विवि के सभी अधिकारी, कर्मी व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित थे.

शिक्षा का रहा है महत्व

राज्यपाल श्री कोविंद ने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को हमेशा से महत्व दिया गया है. 21वीं सदी ज्ञान आधारित शताब्दी है. हमारे देश में विक्रमशिला व नालंदा जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का अस्तित्व ज्ञान, विद्या व शिक्षा के प्रति हमारे संकल्प को प्रदर्शित करते हैं. पिछले कुछ वर्षों में देश में उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है और अब उच्च शिक्षा राज्य क्षेत्र से बाहर निकल कर गैर-परंपरागत व निजी क्षेत्र में भी तेजी से बढ़ रहा है. विवि के बारे में उन्होंने कहा कि यहां सीसीटीवी के माध्यम से पूरी तरह से कदाचारमुक्त परीक्षा-प्रणाली को सुनिश्चित किया गया है. नामांकन लेने के साथ ही स्टूडेंट्स को यह जानकारी हो जाती है कि उसका एग्जाम कब होगा व परामर्श क्लासेज कब होंगे. साथ ही विवि में अंकपत्र, मूल प्रमाण-पत्र व विवि परित्याग पत्र मांग के दिन की उपलब्ध करा दिये जाते हैं. विवि के अभी तक के सफर पर उन्होंने कहा कि मात्र एक डिप्लोमा कोर्स से 29 साल पहले शुरू हुए इस विवि में आज सौ से भी ज्यादा पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं.

यहां से डिग्री नहीं जिम्मेवारी लेकर जाएं

छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रोफेसर डॉ. एमपी पूनिया ने कहा कि स्टूडेंट्स यहां से केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी लेकर जा रहे हैं. जब देश-दुनिया में कोई यूनिवर्सिटी नहीं थी, तब यहां नालंदा व विक्रमशिला यूनिवर्सिटी स्थापित थे. राज्य के केवल 13 प्रतिशत स्टूडेंट्स ऐसे हैं, जिनको स्कूली पढ़ाई करने के बाद कॉलेज में आने का मौका मिलता है, इसलिए इस डिग्री की गरिमा को बनाये रखने की कोशिश होनी चाहिए और जीवन में अपने संस्कारों से समझौता नहीं होनी चाहिए. शिक्षकों के बारे में उनका कहना था कि जब तक वह अपनी भूमिका को नहीं समझेंगे, देश महान नहीं होगा, इसलिए आप सब अपनी भूमिका को निभाएं. आप सभी को नहीं पढ़ाना है, मत पढ़ाओ लेकिन जब भी पढ़ाओ बेहतर पढ़ाओ. विवि अपने सामाजिक दायित्व को भी पूरा कर रहा है और आगे भी करता रहेगा.

गोल्ड मेडलिस्ट	कोर्स
लूसी कुमारी	एमए हिंदी
अंजू सिंह	एमए मगही
दिलेश कुमार	एमए भोजपुरी
मो. शहजाद	एमए उर्दू
अनुराधा कुमारी	एमए संस्कृत
तपन कुमार	एमए मैथिली
राजेश कुमार	एमए, एमएससी भूगोल
शांति किशोरी सिंह	एमए समाजशास्त्र
निधि नुपूर	एमए लोक प्रशासन
हुमा रोहतगी	एमए शिक्षा
रविशंकर	एमए, एमएससी पर्यावरण विज्ञान
कोतैबा	एमएससी जंतु विज्ञान
नेहा भारती	एमएससी वनस्पति विज्ञान
प्रज्ञा उपाध्याय	एमएससी भौतिक विज्ञान
फहीम अहमद	एमएससी गणित
सुम्बुल परवीन	एमसीए
तन्वी सिन्हा	एमए जनसंचार व पत्रकारिता
रश्मि रति	एमकॉम

विवि में अभी कई और कोर्स होंगे शुरू : रासबिहारी प्रसाद

विवि के कुलपति प्रोफेसर रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि विवि अपने जीवन के 29वें वसंत को पूरा कर रहा है. वर्तमान में करीब 91 कोर्स चलाये जा रहे हैं, लेकिन अगले सत्र यानी 2017 से कई नये कोर्स को शुरू करने की योजना है. इसके लिए यूजीसी से आग्रह किया गया है. नये शुरू होने वाले कोर्सों में एमए एमएससी, आपदा प्रबंधन व गृह विज्ञान, बीएससी सांख्यिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स, बीए उर्दू व मानव संसाधन प्रबंध में पीजी जैसे कोर्स प्रमुख हैं. उनका कहना था कि इंटर व सर्टिफिकेट कोर्सों को छोड़ कर अन्य कोर्स में सफल स्टूडेंट्स को उपाधि दी जायेगी. 18771 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था, जिसमें 11014 सफल हुए हैं.

कड़ी मेहनत से हुए सफल

विपरीत परिस्थिति में स्टडी करने के बाद यह मौका मिला है. आगे सॉफ्टवेयर डेवलपर बनने की तमन्ना है. मेरी इस सफलता में पैरेंट्स, टीचर्स और फ्रेंड्स सभी का योगदान है.

सुम्बुल परवीन, एमसीए व सर्वोत्तम स्नातकोत्तर छात्रा

अभी डीडी में एंकरिंग कर रही हूं, साथ ही टीचिंग लाइन से जुड़ी हूं. इस मेडल के बाद अपेक्षाएं और बढ़ गयी हैं. इसी क्षेत्र में और बेहतर करने की तमन्ना है.

तन्वी सिन्हा, एमए जनसंचार व पत्रकारिता

झारखंड सरकार में टीचर हूं और देवघर में पोस्टेड हूं. भीड़ से अलग दिखने और मैथिली में बेहतर करने के लिए एडमिशन लिया था. कड़ी मेहनत से मुझे यह सफलता मिली है.

तपन कुमार, एमए मैथिली

गांव में ही रह कर पुरी स्टडी को कंपलीट की हूं. गांव से यहां तक का सफर बहुत ही अलग रहा है. फूड इंस्टपेक्टर बनने की इरादा है और इसी के लिए तैयारी कर रही हूं.

बबली कुमारी, रूरल डेवलपमेंट

जब स्टडी शुरू की थी, तभी सोच लिया था कि बेहतर करना है और वह सफलता मुझे मिल गयी. अब आगे एसएससी यूडीसी की तैयारी करनी है.

श्वेता श्रीवास्तव, सर्वोत्तम स्नातक छात्रा, बीकॉम

स्टडी के पहले ही शादी हो गयी थी. घर को संभालने के साथ ही मैंने स्टडी भी की. लाइब्रेरियन बनने के लिए और मेहनत करनी है. सभी का सहयोग मिला.

आराधना कुमारी, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान

एनओयू | राज्यपाल ने कहा- अपनी ऊर्जा पर विश्वास रखें, सफलता जरूर मिलेगी

28 छात्रों को शुद्ध सोने का मेडल, 1200 को दी डिग्री

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

नालंदा खुला विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह शनिवार को हुआ। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित समारोह में राज्यपाल रामनाथ कोविंद ने छात्र-छात्राओं से कहा कि अपना महान लक्ष्य रखिए, अपनी ऊर्जा पर विश्वास रखिए, सफलता जरूर मिलेगी। अर्जित ज्ञान और परिश्रम से ऐसा कार्य करें, जिससे आपका अपना, परिवार, समाज और राष्ट्र का कल्याण हो। जो भी पेशा अपनाएं, जो भी योजनाएं बनाएं, उनमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े मनुष्य को न भूलें।

समारोह में विवि के कुलपति डॉ. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि अगले सत्र से करीब 20 नए कोर्स शुरू होने जा रहे हैं। यह खुशी की बात है कि 28 गोल्ड मेडलिस्टों में से 21 छात्राएं हैं। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. एमपी पूनिया ने कहा कि अवसर को कभी मत गंवाए। क्योंकि यह बार-बार नहीं आता। समारोह में कुल 1200 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई। इनमें विभिन्न विषयों में 28 को गोल्ड मेडल दिया गया। वर्ष 2015 में परीक्षा में शामिल होनेवाले छात्र-छात्राओं को यह डिग्री दी गई।

वहीं, छात्र-छात्राओं को विवि ने शुद्ध सोने का मेडल दिया। कुलपति ने कहा कि हमने सभी छात्रों को शुद्ध सोने का मेडल दिया है। राज्यपाल ने इसे एक नई परंपरा की शुरुआत कहा।

सुल्तानगंज की सुम्बुल को मिला दोहरा खिताब

सुम्बुल परवीन को मेडल देते राज्यपाल।

पटना के सुल्तानगंज की छात्रा सुम्बुल परवीन को डबल गोल्ड मेडल मिला। एमसीए में बेहतर प्रदर्शन के अलावा उन्हें पीजी की सर्वोत्तम छात्रा का खिताब मिला। उन्होंने बताया कि 10वीं के बाद खुद के पैसे से पढ़ाई की और यहां तक पहुंची। पिता परवेज आलम की अलमीरा की दुकान है। वह सॉफ्टवेयर डेवलपर बनना चाहती हैं।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

- तूसी कुमारी : एमए हिंदी
- अंजु सिंह : एमए मगही
- दिलेश कुमार : एमए भोजपुरी
- मो. शहजाद : एमए उर्दू
- अनुराधा कुमारी: एमए संस्कृत
- तपन कुमार : एमए मैथिली
- राजेश कुमार : एमए, एमएससी भूगोल
- शांति किशोरी सिंह : एमए समाजशास्त्र
- निधि नुपूर : एमए लोक प्रशासन
- हुमा रोहतगी : एमए शिक्षा
- रविशंकर : एमए, एमएससी पर्यावरण विज्ञान
- कोतैबा: एमएससी जंतु विज्ञान
- नेहा भारती : एमएससी वनस्पति विज्ञान
- प्रज्ञा उपाध्याय : एमएससी भौतिक विज्ञान
- फहीम अहमद : एमएससी गणित
- सुम्बुल परवीन : एमसीए
- तन्वी सिन्हा : एमए जनसंचार एवं पत्रकारिता
- रश्मि रति : एमकॉम

दानकर्ताओं द्वारा प्रदत्त

- प्रभा कुमारी : एमए इतिहास (पंडित रामसूरत शर्मा मेमोरियल स्वर्ण पदक)
- स्वभूति : एमए अर्थशास्त्र (सुलभ स्वर्ण पदक)
- नुसरत यासमीन : एमए राजनीति विज्ञान (पंडित हरिद्वार पांडेय वाघाकोल स्वर्ण पदक)
- आराधना कुमारी : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (अमरनाथ पांडेय मेमोरियल स्वर्ण पदक)
- प्रियंका कुमारी : एमए मनोविज्ञान (डॉ. जसबीर कौर मेमोरियल स्वर्ण पदक)
- राजकिशोर यादव : एमएससी रसायन शास्त्र (आरएस गांधी स्वर्ण पदक)
- कुमारी सोनी एवं बबली कुमारी : एमए ग्रामीण विकास (श्रीमती सुमित्रा सिन्हा स्वर्ण पदक)
- सुम्बुल परवीन : सर्वोत्तम स्नातकोत्तर छात्रा
- श्वेता श्रीवास्तव : सर्वोत्तम स्नातक छात्रा

युवाओं पर टिकी है देश की उम्मीद समाज की सोच पीछे, बेटियां आगे

10वें दीक्षांत समारोह में पहली बार नालंदा खुला विवि का गाया गया कुलगीत	**20** नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे सत्र 2017 से	**22** कैरेट सोने का गोल्ड मेडल प्रदान किया गया	**10** एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है, नालंदा में विवि के लिए	**18** से 20 नवंबर को विवि में पहली बार अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होगा

75 फीसद गोल्ड मेडल बेटियों को

एसके मेमोरियल हॉल में एनओयू के दीक्षा समारोह का हुआ आयोजन

जागरण संवाददाता, पटना : 'मानव जब जोर लगाता है, पत्थर भी पानी हो जाता है'। इन शब्दों के साथ राज्यपाल सह कुलाधिपति राम नाथ कोविंद ने अपने अध्यक्षीय भाषण की शुरुआत की। मौका था शनिवार को एसके मेमोरियल हॉल में आयोजित नालंदा खुला विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षा समारोह का।

राज्यपाल ने दो गोल्ड मेडल हासिल करने पर एमसीए की छात्रा सुम्बुल परवीन को बधाई देते हुए कहा कि बेटियों ने मिथक तोड़ा है। इस बार 75 फीसद बेटियों ने गोल्ड मेडल हासिल कर यह साबित कर दिया कि उन्हें कमजोर समझने वाले समाज की सोच पीछे है और वे आगे बढ़ती जा रही हैं।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो डॉ. एमपी पूनिया ने कहा कि इस संस्थान के छात्र खुशकिस्मत है कि उनके साथ ऐसे विवि से जुड़ा है, जो नालंदा विवि की याद दिलाता है। जब हावर्ड और ऑक्सफोर्ड नहीं था तब भी बिहार में समृद्ध नालंदा विवि था। आज पूरे देश की नजर युवाओं की प्रतिभा पर है खासकर बिहार के युवाओं पर। बिहार में 58 फीसद आबादी 25 साल से कम युवाओं की है और यहां ज्ञान अर्जन की समृद्ध परंपरा रही है।

टॉपर छात्र को सम्मानित करते राज्यपाल

सर्टिफिकेट के बाद खुशी से गदगद एनओयू के स्टूडेंट्स जागरण

गणित में पीजी करने का ऑप्शन देश के बहुत ही कम दूरस्थ विवि में है। एनओयू के इस ऑप्सन के कारण ही आगे की पढ़ाई कर सका। यहां बेहतरीन शिक्षा दी जाती है। **– फहीम अहमद, मधुबनी**

सेल्फ स्टडी और इंटरनेट से पढ़ाई के अलावा स्टडी मटेरियल से पढ़ना लाभदायक रहा। सफलता के लिए कड़ी मेहनत और नियमितता जरूरी है। **–राजकिशोर यादव, झारखंड**

इन्हें मिले गोल्ड मेडल

लूसी कुमारी	हिंदी
अंजू सिंह	मगही
दिलेश कुमार	भोजपुरी
मो. शहजाद	उर्दू
अनुराधा कुमारी	संस्कृत
तपन कुमार	मैथिली
राजेश कुमार	भूगोल
शांति किशोरी सिंह	समाजशास्त्र
निधि नुपूर	लोक प्रशासन
हुमा रोहतगी	शिक्षा
रवि शंकर	पर्यावरण विज्ञान
कोतैबा	जंतु विज्ञान
नेहा भारती	वनस्पति विज्ञान
प्रज्ञा उपाध्याय	भौतिक विज्ञान
फहीम अहमद	गणित
सुम्बुल परवीन	एमसीए
तन्वी सिन्हा	जनसंचार-पत्रकारिता
रश्मि रति	एमकॉम

ग्रेजुएशन में ही शादी हो गई थी। पढ़ने की इच्छा थी जिसमें घरवालों ने बहुत सहयोग किया और सबसे ज्यादा सहयोग बेटे असीम ने किया क्योंकि मैं जब पढ़ती तो तंग नहीं करता था। रिजल्ट अब सामने है।

– कोतैबा , पटना

दानापुर के बीएड कॉलेज में पढ़ाती थी। जो अनुभव परीक्षा में काफी काम आया। मैं रट्टे लगाने की अपेक्षा सिर्फ प्वाइंट्स याद करती और उसका वर्णन खुद करती थी। बेहतर रिजल्ट के लिए दिन-रात मेहनत की।

– शांति किशोरी सिंह , दानापुर

पटना वीमेंस कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद एक स्कूल में नौकरी कर रही थी। इसलिए पीजी के लिए नालंदा विवि चुना। यहां कराया गया प्रैक्टिल काफी काम आया। आगे मैं प्रोफेसर बनना चाहती हूं।

– नेहा भारती , पटना

जीविका में नौकरी करते हुए ग्रामीण विकास में पीजी करने की इच्छा हुई। जब परीक्षा थी तब पांच महीने का गर्भ था। इसलिए देर तक पढ़ने में परेशानी होती थी। फील्ड में किए काम और पति के सहयोग से टॉपर हो पाई।

– कुमारी सोनी , पूर्णिया